Gwalior Dhwani

Gwalior Diocesan News Bulletin

May 2022 Vol. 3/ Book 05

Rev Bp. Joseph Thykkatttil
(Feast day)

Rev Bp. Joseph Kaithathara
(Episcopal Consecration)

1ST MAY

ST. JOSEPH THE WORKER

31ST MAY

The VISITATION of the BLESSED VIRGIN MARY

Gwalior Dhwani
Diocesan News Bulletin

Most Rev Bishop
Joseph Thykkattil
(Patron)

Editorial Board
Rev. Fr. Johnson B. Maria
Rev. Fr. C. Alphonse
Rev. Fr. Isaac Akash
Mrs. Roseline Sikarwar

Address 'Karuna'
Bishop's House,
Jonagar, Kheriya Modi, Morar
Gwalior – 474006

gwaliordhwani@gmail.com

(For private Circulation only)

Celebrations May 2022

01. Bp. J. Thykkatttil (F)
01. Bp. J. Kaithathara (EO)
Fr. Pius (o)
Fr. A. Harshal (o)
Fr. John D'Souza (o)
Fr. Rohit (o)
Fr. Johnson B.(o)
08. Fr. Nabor Lakra OSB
18. Fr. Jose P. OSB (o) (o)
20. Fr. J. Chakkalakkal (o)
21. Fr. A. David (B)
24. Fr. Joseph M.A.(B)

Holy Father's Universal Intention:
For faith-filled young people

We pray for all young people, called to live life to the fullest; may they see in Mary's life the way to listen, the depth of discernment, the courage that faith generates, and the dedication to service.

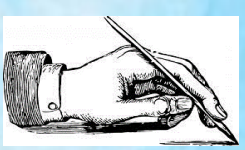

Editorial

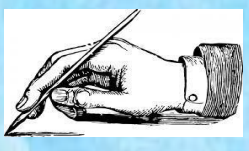

सभी को ईस्टर पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएं। पुनर्जीवित प्रभु येशु ग्वालियर ध्वनि के सभी पाठकों के परिवारों को शांति और प्रेम से भर दे। आपकी पल्ली में इस बार का ईस्टर का पर्व जरूर अच्छी तरह से मनाया गया होगा। और अच्छी तरह से मनाना भी चाहिए क्योंकि यह त्यौहार हमारा सबसे बड़ा त्यौहार है, जी हाँ, क्रिसमस से भी बड़ा त्यौहार! प्रभु येशु का पुनरुत्थान ही हमारे विश्वास का आधार है। किसी ने भी मौत को नहीं जीता है, लेकिन प्रभु येशु ने न केवल मौत पर विजय पाई बल्कि हमें पापों के दण्ड से बचाया। यही हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है।

गर्मी अपने पूरे शबाब पर है सूरज भयंकर क्रोध में है, इसलिए घर से निकलें तो सोच-समझकर निकलें और पूरे चाक-चौबन्द के साथ निकलें। खूब पानी या अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें, ताज़ा भोजन करें और व्यायाम करें। साथ ही ईश्वर का भजन-ध्यान करें। कोविद19 का संक्रमण धीरे-धीरे फिर बढ़ रहा है, इसलिए लापरवाही न करें, हो सके तो बूस्टर डोज़ लगवा लें।

मई महीना माता मरियम की विशेष भक्ति का महीना होता है। लगभग सभी पल्लियों में मई महीने में माता मरियम की विशेष भक्ति होती है, माला विनती आदि का आयोजन किया जाता है। माता मरियम की इस भक्ति में जरूर भाग लें, आपको माता मरियम जरूर आशीष देंगी। अगर माता मरियम के तीर्थस्थल जैसे कि कृपाओं की माता, सरधना या वेलांकन्नी माता की तीर्थ यात्रा करेंगे तो और भी उचित रहेगा। हमारे धर्मप्रान्त के किसी भी कौने से इन दोनों तीर्थस्थलों पर जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। वेलांकन्नी के लिए ट्रेन से जाया जा सकता है और सरधना, मेरठ के लिए ट्रेन और सड़क सुविधा भी है।

हमारे धर्मप्रान्त के लिए भी मई का महीना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 1 मई को सन्त योसेफ के पर्व के साथ ही कई पुरोहितों के पुरोहिताभिषेक की वर्षगांठ भी है। इनमें श्रद्धेय फादर पायस, श्रद्धेय फादर हर्षल, श्रद्धेय फादर रोहित, श्रद्धेय फादर जॉनसन शामिल हैं। सभी पुरोहितों के लिए पवित्र और समर्पित जीवन की कामना करते हैं। इस महीने में माता मरियम के तीन प्रमुख पर्व पड़ते हैं: 13 मई को फातिमा की माता का पर्व, 24 मई को माता मरियम ख्रिस्तीयों की सहायता, और 31 मई को माता मरियम की एलिजाबेथ से भेंट का पर्व है। साथ ही कुछ जाने-माने सन्त जैसे 3 मई को सन्त फिलिप और याकूब, 6 मई को सन्त डोमनिक सावीओ, 10 मई को फादर डैमियन, 14 मई को प्रेरित सन्त मथियस आदि के पर्व भी पड़ते हैं। ये सभी सन्त हमारे जीवन के लिए प्रेरणा के अभूतपूर्व स्रोत हैं। संतों की जीवनी जरूर पढ़ें। अपना ख्याल रखें, और प्रार्थना में लगे रहें।

प्रार्थनाओं के साथ,
ग्वालियर ध्वनि की टीम की ओर से
फादर जॉनसन मरिया

Shepherd's Voice

May 01, 2022

Dear Fathers, Sisters and Lay Faithful,
Jai Yeshu!

1. We thank God for giving us all and to our Diocese meaningful and Spirit filled celebrations during Easter.
2. I invite you, different commissions, to organize special Marian devotions during this month.
3. Holy Father Pope Francis appealed that particularly pray for youth to be filled by true faith.
4. May 08th good shepherd Sunday, set apart to pray for vocations, pray and promote vocations for Priesthood and to Religious life. It gaves me great joy to share with you that during my pastoral visitations wherever I met children, particularly expressed their desire to become Priests and Nuns. Usually, I take a photo with them right away while the congregation claps and cheers. I bless them and congratulate their parents, teachers and priests.
5. As we celebrate the solemnity of the Ascension of the Lord on 29th we remind ourselves His parting command that "go to the whole world and share the Good News to all". Make people experience that God is compassionate and loving. He is 'non-judgemental' and waits to receive us like the father of the prodigal son. We start this experiential proclamation ministry of mercy (Karuna) with ourselves, home, colleagues, friends, neighbours and others.
6. May 31st conclusion of Marian May devotion invites us to look at Blessed Virgin Mary going in haste through a tough hill country of Judah to serve her relative Elizabeth. Whoever is in need of assistance try to be available to them like Blessed Mary who served Elizabeth, even after hearing from the angel that she has been chosen by God, to be the mother of incarnate God, Jesus. We will not wait for the needy to ask help, but like Mary in Cana rush to help the helpless. God who always keeps watch on us will be happy with us.
7. Like every year, the weather is unbearable 45c°. This time also will pass away. Let us pray for sufficient rain in our region. A Simple small prayer is given in the Missal for this intension. Take care, protect yourselves, avoid exposing yourselves in the sun, eat more vegetables and drink good water etc.

May you all receive God's blessings in abundance.

Love and Prayers.

+Joe Thykkattil

+Joseph Thykkattil

BISHOP'S ENGAGEMENTS, MAY 2022

01st	Clergy Spiritual recollection and Anniversary of Bishop Emeritus Joseph Kaithathara's Episcopal Ordination
07th	First death Anniversary of Sr. Meenamma CTC.
22nd	Holy Mass at Karuna
24th	Visiting Senior Parents of Priests, Kerala
28th	Holy Mass at Our Lady of Pompei Shrine, Kerala.
29th	Annual Konchira Feast, Enamakkal.

करुणा के मिशनरियों से पोप : ईश्वर के करूणामय चेहरे को दिखायें

उषा मनोरमा तिरकी -वाटिकन न्यूज

संत पापा फ्राँसिस ने विश्वभर के करुणा के मिशनरियों का स्वागत किया तथा उन्हें उन लोगों का सहर्ष स्वागत करने का प्रोत्साहन दिया जो ईश्वर की दया की खोज कर रहे हैं। भारत से करुणा के मिशनरी फादर विजय कंडुलना ने बतलाया कि संत पापा ने उन्हें स्टॉल भेंट कर करुणा के मिशन के लिए प्रोत्साहित किया।

वाटिकन सिटी, मंगलवार, 26 अप्रैल 2022 (रेई) : संत पापा ने करूणा के मिशनरियों को दुखियों एवं एकाकी में जी रहे लोगों को सांत्वना देने की सलाह दी तथा उनके मिशन के लिए पवित्र बाईबिल से रूथ का उदाहरण दिया।

सोमवार को वाटिकन के संत पौल षष्ठम सभागार में विश्वभर के करूणा के मिशनियों का स्वागत करते हुए संत पापा ने बतलाया कि वे किस तरह उन्हें रोम वापस लाना चाहते थे ताकि ईश्वर की करुणा के माध्यम के रूप में इस मिशन को नवीकृत किया जा सके। संत पापा के लिए करुणा के मिशनरियों का कार्य उनके हृदय के सबसे करीब है। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि रोमन कूरिया में नये प्रेरितिक संविधान "प्रेदिकाते एवंजेलियुम" के लिए भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

करुणा के मिशनरियों को एक विशेष प्रेरिताई सौंपी गई है कि वे पापस्वीकार सुनें और सुसमाचार प्रचार हेतु नये रास्तों की खोज करें तथा सभी लोगों के लिए ईश्वर की दया प्रकट करें। उन्हें ऐसे गंभीर पापों को क्षमा करने के लिए भी विशेष शक्ति प्रदान की गई है जिनके लिए स्थानीय धर्माध्यक्षों या परमधर्मपीठ से सलाह और अनुमति मांगने की जरूरत होती है।

रूथ का साक्ष्य करुणा के मिशनरियों के साथ पहले की मुलाकात की याद करते हुए संत पापा ने उन्हें प्रोत्साहन दिया कि वे ईश्वर के करूणा को लायें और उनकी सांत्वना के चिन्ह बनें ताकि लोग यह महसूस कर सकें कि ईश्वर हमें कभी नहीं भूलते और नहीं त्यागते हैं। इस अवसर पर संत पापा ने बाईबिल के रूथ पर प्रकाश डाला जो उन्हें प्रेरिताई हेतु प्रेरित कर सकती है। पुराने व्यवस्थान में रूथ का ग्रंथ हमें इस्राएली लोगों के प्रति मोवाबाईट महिला के समर्पण की कहानी बतलाता है जिसने अपनी सास नोएमी को वचन दिया था। वे दोनों विधवा थीं और अत्यन्त गरीबी में जी रही थीं। संत पापा ने कहा कि अपने जीवन के अत्यन्त कठिन समय में रूथ एक गरीब विधवा एवं परदेशी के रूप में थी लेकिन इन सब के बावजूद उसने अपनी सास नोएमी एवं अन्यों के साथ बड़े प्रेम, विनम्रता, उदारता एवं करुणा का वर्ताव किया। वह बेतलेहेम के बोवाज के साथ शादी के द्वारा दाऊद की परदादी बनी। रूथ के द्वारा ईश्वर बोलते हैं ।

क्षमाशीलता संत पापा ने करुणा के मिशनरियों से अपील की कि वे उन लोगों का न्याय न करें जो उनके पास आते हैं तथा व्यक्ति को आधा नहीं बल्कि पूरा समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हम सभी पापी हैं और क्षमा मांगने के लिए सभी घुटने टेकते हैं। अतः केवल नियम तक सीमित न रहें बल्कि क्षमा मांगने वाले व्यक्ति को देखें और करुणा के मिशनरी के रूप में उन्हें क्षमा देने के लिए उदार बनें। करुणा और सांत्वना अपने संबोधन के अंत में संत पापा ने करुणा के मिशनरियों को सलाह दी कि वे ईश्वर की करुणा प्रकट करने के लिए सदा तैयार रहें। उन्होंने उनसे कहा कि वे रूथ के समान उदार बनें, उदास एवं एकाकी लोगों को सांत्वना दें, इस तरह प्रभु उन्हें अपने विश्वासी सेवक स्वीकार करेंगे।

संत पापा ने मिशनरियों से कहा कि वे क्षमा देने से कभी न थकें "क्योंकि ईश्वर क्षमा करने से कभी नहीं थकते।

चालीसा काल में धर्मप्रांतीय आध्यात्मिक साधना एवं क्रूस पथ

दिनांक 03/4/22 रविवार को सुबह 8.30 बजे चालीसा काल के दौरान संत पॉल चर्च मुरार ग्वालियर में धर्मप्रांतीय आध्यात्मिक साधना एवं क्रूस पथ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्वालियर संभाग के सभी चर्च के सदस्य ने आध्यात्मिक साधना में शामिल हुए । यह आध्यात्मिक साधना सुबह 8.30 बजे से 3. 00 बजे तक हुई । इसके पश्चात् 3.00 बजे से क्रूस पथ का आयोजन संत पॉल चर्च के प्रांगण में हुआ। इस साधना का समापन पवित्र घड़ी के साथ हुआ एवं अंत में ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष अति माननीय जोसफ तयकाटील ने परम प्रसाद की आशीष दी ।

ON 03/04/2022 SATURDAY PROCLAMATION AND EVANGELIZATION GROUP CONDUCTED A TWO DAYS RETREAT IN ST. THERESA CHURCH KAMPOO

संत जॉन द बेपतिस्त चर्च की युवक यूपीटीयू ने पवित्र शुक्रवार के दिन कुरूस के रास्ते को टैबलो के द्वारा दर्शाया।

7 अप्रैल 2022 को संत थॉमस स्कूल का उद्घाटन अतिश्रध्देय बिशप जोसफ थैकाटिटल जी के द्वारा किया गया जिसमें धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष बिशप जोसफ़ कैथेतारा के साथ साथ पुरोहितो एवं पल्लीवासियों ने भी भाग लिया ।

ग्वालियर कैथोलिक सेवा समाज के द्वारा अस्पतालों में खाद्य सामग्री एवं भोजन का वितरण जरूरतमंदों को किया गया ।

8 एवं 9 अप्रैल 2022 को वेदी सेवक एवं सेविकाओं के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन वियानी भवन, पुरानी छावनी में किया गया। जिसमें धर्मप्रांत के सभी वेदी सेवक एवं विधि सेविकाओं ने भाग लिया एवं विधि के कार्यकलापों को सीखा।

ON 6TH APRIL 2022 LITTLE FLOWER SCHOOL BADARWAS, FELICITATED THE FRONTLINE CORONA WARRIORS

Badarwas Mission

It was a grace filled occasion for the people at Little Flower Church, Badarwas to witness their loved ones receiving the Sacraments of First Holy Communion and Confirmation. The Sacraments were conferred by His Excellency Most. Rev. Joseph Thykkattil, Bishop of Gwalior. Ten candidates received the Sacrament of Confirmation and said 'Yes' to God's call to live for Him and one child received Jesus for the first time. The presence of religious sisters of the Daughters of Divine Zeal and Congregation of Theresian Carmelites from Gwalior were a blessing on the Occasion.

ग्वालियर में ईस्टर पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना हुई।सुबह मिस्सा बलिदान अर्पित किया गया।ख्रीस्त विश्वासियों ने केक और कॉफी के साथ एक दूसरे को ईस्टर की शुभकामनाएं दीं ।

<u>खजूर रविवार के साथ पुण्य सप्ताह प्रारंभ</u>

दिनांक 10अप्रेल 2022 को खजूर रविवार के साथ पुण्य सप्ताह आरम्भ हुआ। इस श्रंखला में सेंट पॉल चर्च, मुरार में प्रातः 8:30 बजे ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष जोसफ तायकाटील ,पल्ली पुरोहित फादर मार्टिन, सहायक पल्ली पुरोहित फा. पायस, फा. एंटनी स्वामी एवं धर्मप्रांत के अन्य पुरोहितों द्वारा खजूर की डालियों पर आशिष देकर सभी खीस्तीय विश्वासियों को वितरित की गई । इसके पश्चात् सभी विश्वासियों ने जुलूस के रूप में गीत "राजाओं का राजा आ रहा है होवे जयजयकार" गाते हुए चर्च में प्रवेश किया।

Earth day celebration at Holy Cros Ashram School, Datia

On Tuesday, Saint Paul's Church, Morar witnessed the presence of all the priests of the diocese as the Bishops Most Rev. Joesph Thykkattil, Bishop of Gwalior and Most Rev. Dr. Joseph Kaithathara Bishop Emeritus, proceeded to the sanctuary for Chrism Mass. The religious, lay people and Seminarians were also present for this gracefilled Occasion.

दिव्य दया 'करुणा' रविवार को दिव्य दया के पर्व के रूप में भी जाना जाता है, ईस्टर के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, जो ईस्टर के सप्तक का समापन करता है। दरअसल यह दिन ग्वालियर धर्मप्रांत के लिए बहुत खास था क्योंकि उसी दिन को बिशप हाउस के पर्व दिवस के रूप में भी मनाया गया ।
जिसे 'करुणा' बिशप हाउस के नाम से जाना जाता है। उत्सव की खुशी दोगुनी हो गई क्योंकि यह फा. जोसेफ पलक्कुडी की 64 वीं पुरोहिताई वर्षगांठ मनाया गई। मिस्सा बलिदान की शुरुआत श्रद्धेय जोसफ तैकट्टिल जी ने की।

SILVER JUBILEE CELEBRATION OF ST. PETER SCHOOL, DABRA

April 25th is a significant day for the Diocese of Gwalior because the day marks the anniversary of Priestly Ordination of two important personalities of the Diocese. The Shepherd of the Diocese Most. Rev. Joseph Thykkattil celebrated His 34th anniversary of Priesthood and Msgr. Fr. Lawrence D'souza Vicar General celebrated his 28th anniversary of Priesthood. The thanksgiving Eucharist begun at 07:15 in the morning with an introduction by Fr. Johnson. The Holy Mass was presided by Most. Rev. Joseph Thykkattil and Msgr. Rev Fr. Lawrence D'souza and Rev. Fr. David (Rector of Minor Seminary) as concelebrants. At this joyful occasion the entire Diocese prayed and wished that your Priesthood may always be Blessed and Cherished at the service of Christ.

IN LOVING MEMORY OF

LATE MRS. BELANI, M/O FR. DAVID PAWAN TIRKEY

In Loving Memory of

Sr. Meenamma CTC

1st death Anniversary
Eliswa Convent. Kheriamdi

St Peter School Shivpuri

Newly set Science lab, Library, Computer Lab and a house for Mrs Mariella were blessed by Most Rev Bp Joseph Thykkattil and inaugurated by Msgr Lawrence. Sr Raphaela, Fr M A Joseph and Fr Hemant respectively at St Peter's Shivpuri.

CARITAS GWALIOR

IS A HUMBLE DIOCESAN EFFORT TO RAISE RESOURSES TOWARDS SOCIAL WELFARE ACTIVITIES

Even the poorest of the poor can be a part of this cause.

Remember the needy and contribute to **CARITAS GWALIOR** especially of the times of celebrations:

Marriage, Feast, First Holy Communion, Confirmation, Jubilee, Baptism, Success in Exams, Getting a Job, New House, Parish Feast, Pastoral Visitation etc.

APRIL 2022

1.	St. Paul's Church, Morar	..... Rs- 2000/-
2.	Rev.Fr.Joseph Chipson	..... Rs- 25,000/-
3.	St.Thomas School Tekanpur	..... Rs- 5,000/-
4.	Engineer Devendre Kumar Kulshreshth	.....Rs- 11,000/-
5.	St.Paul's Church Morar	.....Rs- 5,000/-
6.	St.Peter's Church Dabra	.....Rs- 1500/-
7.	Karuna, Bishop's House	.....Rs-4,000/-
8.	Staff and students of St. John Vianney School Purani chhawni	..... Rs- 20,000/-
9.	George kerketta, Little flower Church Badarwas	..... Rs- 1000/-
10.	Alexius Tirkey LFC, Badarwas	.....Rs- 1000/-
11.	Maneshwar Ekka, LFC ,Badarwas	.....Rs- 2000/-
12.	Sanjay Lakra, LFC, Badarwas	.....Rs-1000/-
13.	Sant Kishore Khalxo, LFC, Badarwas	.....Rs- 2000/-
14.	Ayush Tirkey, LFC, Badarwas	..... Rs-1000/-
15.	Basanti Minj , LFC, Badarwas	.....Rs- 1000/-
16.	Manoj Ekka, LFC, Badarwas	..... Rs- 1000/-
17.	Thomas Lakra, LFC, Badarwas	.....Rs- 1000/-
18.	Mr. E.D. Thomas, Enamakkal, Kerala	.....Rs- 50,000/-

CARITAS GWALIOR PAGE 2

Send your valuable contributions

Account Name: Caritas Gwalior
A/C No.945420110000348
Bank: Bank of India
Morar, Gwalior
IFSC: BKID0009454
MICR: 474013005

With sincere thanks financial Administrator

PROJECT अपना घर

A simple house for Mrs. Mariyella, Shivpuri, with a token help from Caritas Gwalior

सन्त रीता

(पर्व दिवस 22 मई)

प्रभु येसु ने अपने दुःखभोग में विशेष सहभागी होने तथा मानव-मुक्ति के महान् कार्य में सहयोगी बनने के लिए अनेकों सन्तों को चुना है। कासिया की सन्त रीता उन्हीं में से एक है।

सन्त रीता का जन्म सन् 1386 में मध्य इटली के उंब्रिया प्रान्त में एपीनाईन्स पर्वतमाला के निकट एक गाँव में हुआ। उनके माता-पिता सीधे-सादे किसान थे। किन्तु वे बड़े धर्मपरायण थे। वे बड़े शांति-प्रिय थे और अपने पड़ोसियों की प्रेमपूर्ण सेवा किया करते थे। लेकिन वे सन्तानहीन थे। अतः वे प्रभु से निरन्तर प्रार्थना किया करते थे कि उन्हें एक शिशु को पाने का सौभाग्य मिले। प्रभु ने उनकी प्रार्थना सुनी और उन्हें फूल-सी सुन्दर एक पुत्री प्रदान की। शिशु को बपतिस्मा में मार्गरीता नाम दिया गया, और माता-पिता प्यार से उसे रीता पुकारने लगे। जैसे जैसे बालिका बड़ी होती गयी, अपने माता-पिता के सदृश उसके हृदय में भी प्रभु येसु के दुःख-भोग के प्रति गहरी भक्ति विकसित हुई । एकान्त में रह कर प्रभु येसु से प्रार्थना करना उसे बहुत प्रिय था।

रीता 44 वर्षों तक मठ में रही और 22 मई 1456 ई. को 76 वर्ष की आयु में अपने प्रभु के राज्य में अनन्त पुरस्कार के लिए बुला ली गयी। सम्पूर्ण कलीसिया के विश्वासियों के बीच सन्त रीता के प्रति भक्ति प्रचलित है। रीता से की गयी सहायता प्रार्थना कभी निष्फल नहीं होती। इस कारण वे कलीसिया में असाध्य कार्यों की मध्यस्था कहलाती है। हमारे दैनिक जीवन में आने वाले छोटे बड़े सभी दुःखों को प्रभु येसु के प्यार से और मानव जाति की मुक्ति के हितार्थ धैर्यपूवक स्वीकार करने और शांति एवं आनन्द के साथ सहने में सन्त रीता हमारी मार्गदर्शिका है। कलीसिया में उनका पर्व 22 मई को मनाया जाता है।

ST. KOLBE SCHOOL, INDERGAH

REQUIREMENT OF TEACHERS (SUBJECT WISE)

SESSION 2022-23

S.NO.	SUBJECT	CLASS I TO IV	CLASS V TO VIII	CLASS IX & X	TOTAL
1.	*ENGLISH*	1	1	1	3
2.	*HINDI*	1	1	1	3
3.	*MATHS*	1	1	1	3
4.	*EVS*	1	0	0	1
5.	*SCIENCE*	0	1	1	2
6.	*SST*	0	1	1	2
7.	*SANSKRIT*	0	0	0	0
8.	*COMPUTER*	1	1	0	2
9.	*MORAL / G.K.*	1	1	0	2

TOTAL NUMBER OF TEACHERS REQUIRED – 18

S. NO	TEACHING POSITION	QUALIFICATION	REMUNARATION
1.	KG	NDTC,MONTESSORI	12 -15
2.	LOWER CLASSES	TTC, DL, DEGREE	15- 17
3.	HIGHER CLASSES	M.A, B. ed	17- 25
4.	PT	B. PED, M. PED	13- 15
5.	OFFICE	DEGREE, TALLY, EXCEL	10

Mass Reading: MAY 2022

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
1 ST. JOSEPH THE WORKER AC 5: 27- 32 JN 21: 19	2 ST. ATHANASIUS AC 6: 8-15 JN 6: 22-29	3 Ss. PHILIP& JAMES 1COR 15: 1-8 JN 14: 6-14	4 AC 8: 1-8 JN 6: 35-40	5 AC 8: 26-40 JN 6: 44-51	6 AC 9: 1-20 JN 6: 52- 59	7 AC 9: 31-42 JN 6: 60-69
8 4TH SUN OF EASTER AC 13: 14-42 REV 7: 9 JN 10: 2- 30	9 AC 11: 1- 18 JN 10: 1-10	10 Ss. DAMIEN &JOHN AC 11: 19-26 JN 10: 22-30	11 AC 12: 24, 13 JN 12: 44-50	12 Ss. NEREUS & ACHILLEUS AC 13: 13-25 JN 13: 16-20	13 THE BVM OF FATIMA AC 13: 26-33 JN 14: 1-6	14 ST. MATTHIAS AC 1: 15-17 JN 15: 9-17
15 5TH SUN OF EASTER AC 14: 21 REV 21: 1-5 JN 13: 31-33	16 AC 14: 5-18 JN 14: 21-26	17 AC 14: 19-28 JN 14: 27-31	18 AC 15: 1-6 JN 15: 1-8	19 AC 15: 7-21 JN 15: 9-11	20 ST. BERBARDINE AC 15: 22 JN 15: 21-17	21 AC 16: 1-10 JN 15: 18-21
22 6TH SUN OF EASTER AC 15: 1-2,22 REV 22: 12 JN 14: 23-29	23 AC 16: 11-15 JN 15: 26-16	24 AC 16: 22- 34 JN 16: 5-11	25 Ss. GREGORY, M. MAGDALENE AC 17: 15-22 JN 16: 12-15	26 ST. PHILIP NERI AC 18: 1-8 JN 16: 16-20	27 ST. AGUSTINE AC 18: 9-18 JN 16: 20-23	28 AC 18: 23-28 JN 16: 23-28
29 THE ASCENSION OF THE LORD AC 1: 1: 11 EPH 1: 17-23 LK 24: 46-53	30 AC 19: 1-8 JN 16: 29-32	31 THE VISITATION OF THE BVM ZEPH 3: 14-18 LK 1: 39-56				